Dictation 33.

Anup needs to get home.

अनूप - भाई साहब, अगर मैं किराये से ज़्यादा पैसे दूँ तो क्या आप मुझे नदी पार ले चलेंगे?
कन्हैयालाल - माफ़ कीजिएगा साहब। पानी इतना बढ़ नहीं गया होता तो मैं आपको ले चलता। अगर आज बारिश नहीं होती तो शायद नाव से नदी पार करना ठीक रहता। लेकिन अब यह संभव नहीं है।
अनूप - देखिए, अगर हम बैठकर किराए के बारे में बातचीत करें तो कैसा रहेगा? ओ, तो आप इनकार कर रहे हैं! ठीक है, आप नहीं तो कोई और ही सही। नमस्ते, चलता हूँ।
कन्हैयालाल - लगता है कि आप समझे नहीं। हालाँकि यहाँ नदी पार करने के तरह तरह के साधन हैं, तो भी इस समय उस पार ले जाने के लिए कोई राज़ी नहीं होगा। आप किसी से भी पूछकर देख सकते हैं।
अनूप - मैं घर नहीं पहुँचा तो मेरी माँ बहुत चिंता करेंगी। हालाँकि ब्रिज खुला है, फिर भी उसपर इतनी भीड़ है कि ब्रिज से रामनगर पहुँचने में घंटों लग जाएँगे। ऊपर से फ़ोन ख़राब हैं। अगर फ़ोन बंद नहीं होते तो मैं इस तरह आप नाववालों को परेशान नहीं करता।
कन्हैयालाल - अच्छा। देखिए, अगर आपने सारी बात पुलिस को बताई तो शायद आपको किसी सरकारी नाव पर जगह मिल जाएगी। ऐसी हालत में अगर किसी को सहायता मिलती है तो वह सरकार की तरफ़ से ही मिलेगी।
अनूप - ठीक ही कहा आपने। अगर मैंने पहले ही पुलिसवालों से पूछा होता तो अब तक शायद घर पहुँच गया होता। कोशिश करके देखता हूँ। धन्यवाद भाई साहब।

***

Anup: (Respectfully) Brother, if I were to pay more than the fare, will you take me across the river?
Kanhaiyalal: Forgive me sahib. If the water hadn't risen so much, I would have taken you [across]. And if it hadn't rained today, perhaps it would have been all right to cross the river on a boat. But now such a thing is not possible.
Anup: Look, how would it be if we sat down and talked about the fare? Oh, so you are refusing [to take me across]! All right; if you don't agree ('if not you'), someone else will. Namaste; I'll take my leave.
Kanhaiyalal: It appears that you haven't quite understood. Although there are various different means to cross the river here, nobody will agree to take you across to the other side. You can ask anyone and see [for yourself].
Anup: If I don't get home, my mother will worry a lot [about me]. Although the bridge is open, there is such a crowd on it that it will take hours to get to Ramnagar over the

bridge. On tope of that, the phones are down. If the phone [lines] were not closed, I wouldn't bother you boatmen in this way.
Kanhaiyalal: I see. Look, if you told everything to the police, then you will, perhaps, get a place on some government boat. In these conditions, if anyone gets help, [they] will get [it] from the government.
Anup: You are right. If I had asked the policemen earlier, perhaps I would have been home by now. I will 'try and see'. Thank you, (respectfully) brother.